Sasmit Patra (Odisha), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Sanjeev Arora (Punjab), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Ms. Sushmita Dev (West Bengal), Shrimati Jaya Amitabh Bachchan (Uttar Pradesh), Shri Jose K. Mani (Kerala), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh), and Shrimati Sudha Murty (Karnataka).

माननीय श्री नीरज डांगी जी।

Demand to build elevated road in the section of Desuri Naal connecting Pali, Jaisalmer and Jodhpur areas

श्री नीरज डांगी (राजस्थान): माननीय उपसभापति महोदय, राजस्थान के प्रमुख नगर उदयपुर को पाली, जैसलमेर व जोधपुर क्षेत्र से जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग एस.एच. 16 का एक घाट सेक्शन हिस्सा, जो राजसमन्द जिले के गढ़बोर से देसूरी के मध्य स्थित है; लगभग 8 किलोमीटर के इस घाट सेक्शन को देसूरी की नाल के नाम से भी जाना जाता है।

यह मार्ग राजस्थान के महत्वपूर्ण व्यवसाय मार्बल, ग्रेनाइट के प्रमुख नगरों उदयपुर व राजसमन्द से पाली, जोधपुर, जालौर, सिरोही, भीनमाल, सांचौर व माऊंट आबू तक जाने का मुख्य मार्ग है, जो कम दूरी व कम समय में व्यापार को बढ़ावा देता है एवं यह मार्ग गोमती-चारभुजा-देसूरी होकर आगे गंतव्य तक जाता है।

इसके अतिरिक्त देसूरी की नाल उदयपुर को भारतीय सेना के अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर जैसलमेर से भी जोड़ता है। अतः इस मार्ग का इस्तेमाल भारतीय सेना के वाहन भी उदयपुर-जैसलमेर के मध्य आने-जाने के लिए करते हैं।

देसूरी की नाल घाट सेक्शन ऐतिहासिक "श्री राणकपुर मंदिर, श्री परशुराम महादेव मंदिर, श्री चारभुजा नाथ जी मंदिर, एवं श्रीनाथजी मंदिर नाथद्वारा' जैसे धार्मिक आस्था एवं अत्यंत मान्यता वाले स्थानों को जोड़ता है।

"हल्दी घाटी" जहां महाराणा प्रताप ने अपनी ताकत का लोहा मनवाया था, वहीं हल्दी घाटी युद्ध हुआ था। यह प्रसिद्ध स्थल "हल्दी घाटी" भी इसी क्षेत्र में मौजूद है।

अरावली पर्वत श्रृंखलाओं के समीप UNESCO World Heritage Site विश्व प्रख्यात कुम्भलगढ़ दुर्ग भी यहीं स्थित है, जिसकी दीवार The Great Wall of India विश्व में The Great Wall of China के बाद दूसरी सबसे बड़ी दीवार है।

उपसभापति महोदय, एक दर्दनाक हादसे का भी ज़िक्र करना चाहूंगा। देश ही नहीं, अपितु पूरे विश्व का सबसे बड़ा हादसा (देसूरी दुखांतिका) इसी स्थान पर दिनांक 07 सितम्बर, 2007 को हुआ था, जिसमें मौके पर ही 108 लोगों की मौत हो गयी थी। वहीं भारतीय सेना के वाहनों सहित हादसों का अनुमान लगाया जाये, तो प्रतिवर्ष यहां औसतन 100 से अधिक लोगों को हादसे में अपनी जान गंवानी पड़ती है। इन हादसों में मार्बल व अन्य सामान की क्षति होने से प्रतिवर्ष व्यापारियों को करोड़ों रुपयों का नुकसान भी होता है।

देसूरी - चारभुजा के मध्य इस घाट सेक्शन में 12 खतरनाक S और L सेक्शन के मोड हैं और 5 संकरी पुलियाओं पर खतरनाक ढलान हैं, जिसमें वाहनों की सांस हांफ जाती है और कभी

वे चट्टानों से टकराते हैं, तो कभी पास की 40 फीट गहरी खाई में गिरते हैं। देसूरी की नाल में 1952 से अब तक लगभग 1000 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं।

देसूरी की नाल में लगातार होती जनहानि के मद्देनज़र अगर वहां एलिवेटेड रोड बनायी जाती है, तो वर्षों से चला आ रहा मौतों का सिलसिला खत्म होगा एवं आसपास के क्षेत्र के आमजन और व्यापारियों को भी लाभ होगा।

अतः उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह है कि देसूरी की नाल क्षेत्र में एलिवेटेड रोड बनाने पर गंभीरता से विचार करे, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the issue raised by the hon. Member, Shri Neeraj Dangi: Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. John Brittas (Kerala) and Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala).

Thank you, Dangi*ji*. Now, Shri Tiruchi Siva — Demand for occupational safety measures and facilities of insurance for stunt artists of Indian film industry.

Demand for occupational safety measures and facility of insurance for Stunt Artists of Indian Film Industry

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Thank you, Mr. Deputy Chairman, Sir, for giving me an opportunity to speak on a serious issue, which has long been overlooked by everyone. In the vibrant film industry of India, there are some stunt artists. They display their indispensable efficiency and talents to bring thrilling action sequences on the screen, but they are totally neglected. Recently, in Tamil Nadu, a senior stunt actor, who had an experience of 30 years, fell down from the rostrum and had to face a fatal end. It is all because of what they call a safety rope, which snapped and he fell down. Maybe, it is an isolated incident, but all the time, these very important stunt artists are totally, financially and physically, neglected. Despite their critical role as stunt artists, they often work without the safety nets, that other professionals take for granted. The absence of stringent safety standards on cinema-sets leads to preventable accidents, leaving artists vulnerable to life-altering injuries. This jeopardizes their physical well-being and imposes a heavy financial burden on them and their families. It is imperative to implement comprehensive safety protocols on film sets such as regular inspections, mandatory high-quality safety gear and rigorous training for both, artists and crew members. The Government must collaborate with industry stakeholders to incentivize compliance and nudge them towards implementing and enforcing these standards effectively. Looking at global standards, film industries have detailed safety guidelines and dedicated union for stunt